भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3121

07 अगस्त, 2025 को उत्तर दिये जाने के लिए

इमारतों और पुलों का ढहना

†3121. श्री ई. टी. मोहम्मद बशीरः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि अस्पतालों सहित कई इमारतें संरचनात्मक टूट-फूट के कारण ढह गई हैं जिससे कई लोगों की जान चली गई है;

(ख) क्या सरकार के पास विगत पांच वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान देश भर में ध्वस्त हुई इमारतों और पुलों की संख्या के संबंध में आंकड़े हैं;

(ग) यदि हां, तो हताहतों की संख्या और इससे हुए नुकसान सहित ऐसी घटनाओं का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) इस मुद्दे के समाधान के लिए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले प्रस्तावित कदम क्या हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा भविष्य में ऐसी इमारतों के ढहने की घटनाओं को रोकने के लिए संरचनात्मक सुरक्षा मानकों को सुदृढ करने और नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) से (ग): आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी), एक प्रमुख इंजीनियरिंग संगठन, के अंतर्गत आने वाले कार्यों में ऐसी कोई घटना नहीं घटी। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अस्पताल प्रभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन आने वाले केंद्रीय सरकारी अस्पतालों में भी ऐसी कोई घटना घटित होने की सूचना नहीं है। हालाँकि, सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, देश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर पुलों के ढहने की कुछ घटनाएँ हुई हैं। पिछले 5 वर्षों के दौरान पुलों के ढहने का विवरण, जिसमें मृतकों का विवरण भी शामिल है, अनुलग्नक में दिया गया है।

(घ) और (ङ): सीपीडब्ल्यूडी के अंतर्गत सभी अवसंरचना कार्यों को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के प्रासंगिक कोडों के अनुसार अनुमोदित पुनरीक्षित संरचनात्मक ड्राइंगों के आधार पर निष्पादित किया जाता है और सीपीडब्ल्यूडी कार्य मैन्युअल और रखरखाव मैन्युअल के प्रावधानों के अनुसार उन कार्यों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाता है। जहां तक एमओआरटीएच द्वारा बनाए गए पुलों का संबंध है, वे एनएच के एक खंड के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) विकास कार्यों हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी के भाग रूप में मौजूदा पुलों की स्थिति का सर्वेक्षण करते हैं और मौजूदा पुलों की मरम्मत/पुनरूद्धार/पुनर्निर्माण का कार्य कोरिडोर विकास परियोजना के भाग के रूप में शुरू किया जाता है। एमओआरटीएच ने पुल के निरीक्षण और मौजूदा पुलों की स्थिति के सर्वेक्षण के लिए दिशानिर्देश भी जारी किए हैं, जिसके बाद संकट के स्वरूप और गंभीरता के आधार पर उचित मरम्मत/पुनरूद्धार/पुनर्निर्माण किया जाता है।

*****

अनुलग्नक

"इमारतों और पुलों का ढहना" के संबंध में दिनांक 07.08.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3121 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पिछले 5 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों पर ढहे पुलों का विवरण

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	राष्ट्रीय राजमार्ग पर ढहे पुलों की संख्या	मृतकों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	1	0
2	अरुणाचल प्रदेश	1	0
3	असम	1	1
4	बिहार	4	2
5	हरियाणा	2	0
6	हिमाचल प्रदेश	2	0
7	कर्नाटक	1	0
8	मध्य प्रदेश	1	0
9	महाराष्ट्र	2	0
10	मणिपुर	2	0
11	मेघालय	2	0
12	ओडिशा	4	0
13	सिक्किम	1	0
14	तमिलनाडु	3	1
15	उत्तर प्रदेश	1	0
16	पश्चिम बंगाल	4	0
17	दिल्ली	1	1
18	जम्मू और कश्मीर	1	0
	कुल	34	5

****